भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 617

गुरुवार, 24 जुलाई, 2025 को उत्तर देने के लिए

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में आंध्र प्रदेश की क्षमता

617. श्री मेदा रघुनाधा रेड्डी:
श्री मस्तान राव यादव बीडा:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत के अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विनिर्माण और विकास में आंध्रप्रदेश की उद्दिष्ट भूमिका क्या है;

(ख) भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इनस्पेस) पहल के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में कितने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्टअप उद्भूत हुए है;

(ग) क्या अंतरिक्ष इंजीनियरिंग दक्षता और उद्यमिता में सुधार के लिए पिछले पांच वर्षों में शैक्षिक पहल शुरू की गई हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) इन-स्पेस ने आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न भारतीय राज्यों से अंतरिक्ष विनिर्माण क्लस्टर स्थापित करने हेतु उनकी रुचि का पता लगाने के लिए संपर्क किया है। इन-स्पेस, राज्य सरकार द्वारा चिन्हित अंतरिक्ष विनिर्माण क्लस्टर के अंतर्गत साझा तकनीकी सुविधा स्थापित करने के लिए राज्य सरकार को तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा। आंध्र प्रदेश सरकार ने हाल ही में अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए राज्य स्तरीय नीति की घोषणा की है।

(ख) इन-स्पेस गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीई) को परामर्श, मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण, वित्तीय सहायता आदि के रूप में ठोस सहायता प्रदान कर रहा है। उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, आंध्र प्रदेश में स्थापित कुल 11 गैर सरकारी संस्थाएं इन-स्पेस के साथ पंजीकृत हैं। इनमें से 9 स्टार्ट-अप्स हैं। तथापि, 11 में से केवल 1 गैर सरकारी-संस्था ने ही सुविधा, बीज निधि और प्राधिकरण के संबंध में इन-स्पेस से सहायता प्राप्त की है।

(ग) और (घ)

जी हां। अंतरिक्ष इंजीनियरी दक्षता और उद्यमिता में सुधार के लिए निम्नलिखित शैक्षिक पहल शुरू की गई हैं:

- अंतरिक्ष क्षेत्र में उद्योग और शिक्षा जगत के कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए, इन-स्पेस ने अंतरिक्ष क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं को समाविष्ट करते हुए 10 लघु अवधि कौशल विकास पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं।
- भारत में शैक्षणिक संस्थानों में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी शिक्षा को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से, भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी शिक्षा को अपनाने हेतु एक राष्ट्रीय समिति का गठन किया गया है।
- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में बी.टेक. माइनर डिग्री के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया गया है और इसे एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित किया गया है।

***